प्रतिदिन झोली 20
अमरावती, गुरुवार, 6 दिसंबर 2018

यामी को ऑनलाइन शॉपिंग का बुखार

''हमारा वॉचमैन हमसे परेशान है, कभी यहां से शॉपिंग पार्सल आता है, कभी वहां से. वैसे यह अच्छी चीज है. आप अपना काम करते हुए शॉपिंग कर सकते हैं.''

पिछली बार फिल्म 'बत्ती गुल मीटर चालू' में नजर आई यामी गौतम अपनी लुक्स ही नहीं, कमाल की एक्टिंग को लेकर भी चर्चा में रहती हैं. यामी का कहना है कि उसे भी इन दिनों प्रचलित ऑनलाइन शॉपिंग बेहद पसंद है.

उसका कहना है कि उसे ऑनलाइन शॉपिंग का बुखार अपनी बहन सुरीली की वजह से चढ़ा है, यामी जब काम में बिजी रहती हैं तो सुरीली उसे अलग-अलग एक्सेसरीज, ड्रेसेज की तस्वीरें ऑनलाइन दिखाती रहती है. यामी के 'हां' करते ही वह उसे तुरंत ऑर्डर कर देती है.

यामी ने कहा, "हमारा वॉचमैन हमसे परेशान है, कभी यहां से शॉपिंग पार्सल आता है, कभी वहां से. वैसे ऑनलाइन शॉपिंग अच्छी चीज है. आप अपना काम करते हुए शॉपिंग कर सकते हैं. आपको सभी चीजें एक ही जगह मिल जाती हैं."

'उड़ी' से हैं काफी अपेक्षाएं

अपनी अगली फिल्म 'उड़ी' की रिलीज का अब उसे बेसब्री से इंतजार है क्योंकि उसका कहना है कि यह फिल्म उसके करियर को सबसे खास फिल्म होगी. वह कहती हैं, "यह फिल्म मेरे करियर की सबसे खास फिल्म बनने जा रही है. जिस तरह से आदित्य धर ने इसे लिखा और डायरेक्ट किया है और विक्की कौशल के साथ ही पूरी कास्ट ने इस पर खूब मेहनत की है, वह इसे खास बनाती है. यह एक खास फिल्म है जो सच्ची कहानी पर आधारित है. एक एक्टर के तौर पर ही यह फिल्म मेरे लिए खास नहीं है बल्कि एक भारतीय होने के नाते भी यह मेरे लिए खास है. यह कुछ ऐसा है जिसे पर्दे पर दिखाया जाना बहुत जरुरी है. लोगों को पता चलना चाहिए कि हमारी सुरक्षा के लिए जवान आखिर क्या-क्या कर रहे हैं."

"उसकी अगली फिल्म 'उड़ी' है जिसमें वह विक्की कौशल के अपोजिट नजर आएंगी. विक्की इस फिल्म में एक कमांडो का रोल कर रहा है जो 2016 में पाकिस्तान प्रसारित कश्मीर में भारतीय सेना द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक में शामिल हुये थे. फिल्म में कीर्ति कुल्हाड़ी और परेश रावल भी नजर आएंगे.

ऐश्वर्य नहीं बनेंगी 'सरोगेट मदर'

कुछ वक्त पहले ऐश्वर्य राय बच्चन ने पुष्टि की थी कि सरोगेसी पर आधारित फिल्म 'जैसमीन' में लीड रोल के लिए निर्माताओं के साथ उसकी बातचीत चल रही है. जैसमीन के बारे में ऐश्वर्य ने उस वक्त बताया था, "इस साल फरवरी में हमारी बातचीत रुक गई थी लेकिन अब मैं बात को आगे बढ़ाऊंगी. अभी मुझे नहीं पता कि मैं यह फिल्म कर रही हूं या नहीं. मुझे कॉन्सेप्ट अच्छा लगा लेकिन मैंने उन्हें कहानी में कुछ बदलाव के लिए कहा है." परंतु ताजा खबर है कि उसने खुद को इस फिल्म से अलग कर लिया है. सूत्रों के अनुसार "ऐश्वर्य ने 'जैसमीन' को न कह दिया है. कहानी में बहुत कमियां थीं. हालांकि, फिल्मकारों सिध्दार्थ और गरिमा का आइडिया अच्छा था लेकिन कहानी के साथ समस्या थी. इस बारे में ऐश्वर्य ने दोनों को बताया भी था. इसके बाद दोनों नई कहानी के साथ ऐश्वर्य के पास गए लेकिन उसे वह भी अच्छी नहीं लगी. उसने टीम को कह दिया कि वह यह फिल्म नहीं कर सकती." श्रीनारायण सिंह पहले इस फिल्म को प्रोड्यूस करने वाले थे, लेकिन उन्होंने बताया है कि अब वह भी इस फिल्म के साथ नहीं हैं. उन्होंने कहा, "फिल्म की शूटिंग शुरु हो जानी चाहिए थी, लेकिन सिध्दार्थ और गरिमा के पास दूसरे काम हैं. ऐसे में अभी मैं नहीं बता सकता कि यह कब तक शुरु होगी. फिलहाल तो इस पर सारा काम रुका हुआ है.

अनुष्का शर्मा अपने फिल्म निमार्ण बैनर के तहत कुछ हट कर फिल्में बनाने के लिए जानी जाती हैं. इसके लिए वह बेहद ध्यान से नए निर्देशकों तथा पटकथा लेखकों की तलाश करती हैं. अब तक जितने भी नए निर्देशकों तथा पटकथा लेखकों ने अनुष्का के लिए काम किया है उसके प्रोडक्शन हाऊस क्लीन स्लेट फिल्म्स ने उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री में सफलता के नए रास्ते खोल दिए हैं.

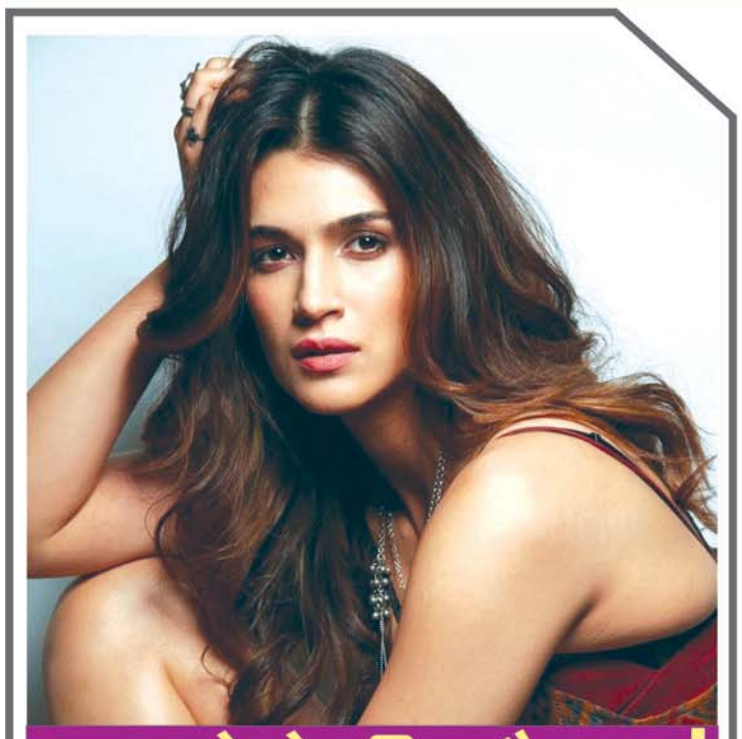

मुकाबले के लिए तैयार हूं

ऐसा भी नहीं है कि नॉन फिल्मी बैकग्राऊंड के एक्टर्स को चांस नहीं मिलता. हां, हमें ज्यादा मेहनत जरूर करनी पड़ती है, थोड़ा ज्यादा स्ट्रगल करना पड़ता है.

फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में एंट्री करने के बाद 'दिलवाले' , 'राब्ता' और 'बरेली की बर्फी' जैसी फिल्मों का अहम हिस्सा रह चुकी कृति सनन इन दिनों काफी चर्चा में हैं. इसकी वजह है कि उनके टैलेंड पर बॉलीवुड ने मुहर लगा दी है. तभी तो आज वह कई अहम फिल्मों में काम कर रही हैं. पेश हैं उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

कृति सनन

- **जन्म:** 27 जुलाई 1990
- **जन्मस्थान:** नई दिल्ली
- **शिक्षा:** बी.टेक
- **माता-पिता:** राहुल सनन तथा गीता सनन
- **पहली फिल्म:** 'नैनोक्कादिने' (तेलुगु में) तथा 'हीरोपंती' (हिंदी में)
- **अन्य फिल्में:** 'दिलवाले', 'राबता', 'बरेली की बर्फी' तथा 'स्त्री' (आइटम नंबर) आने वाली फिल्में: 'अर्जुन पटियाला', 'लुकाछुपी' , 'कलंक' तथा 'हाऊसफुल 4'

क्या आपको लगता है कि बॉलीवुड में अब आपके काम को अलग से नोटिस किया जाने लगा है?

यह एहसास तो मुझे पहली ही फिल्म 'हीरोपंती' में काम करने के बाद हो गया था. जब आपको डेब्यू आर्टिस्ट का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिलता है, तो इसका मतलब यह है कि बॉलीवुड ने आपको स्वीकार कर लिया है.

आप नॉन फिल्मी बैकग्राऊंड से हैं, क्या आपको स्टार किड्स से ज्यादा स्ट्रगल करना पड़ा?

जिनकी बैकग्राऊंड फिल्मी होती है, उन्हें अच्छा ब्रेक मिल जाता है. लेकिन ऐसा भी नहीं है कि नॉन फिल्मी बैकग्राऊंड के एक्टर्स को चांस नहीं मिलता. हां, हमें ज्यादा मेहनत जरूर करनी पड़ती है, थोड़ा ज्यादा स्ट्रगल करना पड़ता है.

तो क्या आप मानती हैं कि आपका धैर्य रंग ला रहा है, जिसके कारण आपकी झोली में आज कई फिल्में हैं?

इस संबंध में मैं यह कहना ज्यादा पसंद करूंगी कि मैंने शुरूआत में ही चुनौतियां मोल लीं, जिसका मुझे अब फायदा मिल रहा है. तभी तो आज मेरे पास कई अच्छी फिल्में हैं, जिनमें 'अर्जुन पटियाला', 'लुकाछुपी', 'पानीपत' आदि प्रमुख हैं.

आजकल बॉलीवुड में कम्पटिशन काफी बढ़ गया है. क्या आप भी किसी तरह का कम्पटिशन फील करती हैं?

आज के समय में किस फील्ड में कम्पीटिशन नहीं है. मेडिकल हो, मॉडलिंग हो या एक्टिंग सभी में टफ कम्पटीशन है. उसका मुकाबला तो करना होगा. मैं हर मुकाबले के लिए तैयार हूं. अगर कम्पटिशन हैल्दी हो, तो हमें ग्रो करने का मौका मिलता है.

वुमनिया में काम करने की क्या वजह रही?

यह फिल्म देश की दो महिला शूटर्स की असल जिंदगी पर आधारित है, जिसमें मेरा लीड रोल है.

जैकलीन की साइकलिंग

जैकलीन को असल में स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई और उन्होंने मौखिक तौर पर इस फिल्म को हां कह दी है. इसकी कहानी बहुत प्रेरणादायक है. जैकलीन इस फिल्म की तैयारी में जुट गई हैं.

इस वर्ष आई रेमो डीसूजा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'रेस 3' में सलमान खान के अपोजिट दिखाई देने वाली श्रीलंकाई सुंदरी जैकलीन फर्नांडीस ने 2016 में आई कन्नड़ की हिट फिल्म 'किरिक पार्टी' के हिंदी रीमेक को हां कह दी है जिसमें वह कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी. अब ऐसी खबरें हैं कि वह भारतीय साइकलिस्ट डेबोरोह हैरोल्ड की बायोपिक में मुख्य किरदार निभाने जा रही हैं.

सूत्रों के अनुसार, 'जैकलीन को असल में स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई और उन्होंने मौखिक तौर पर इस फिल्म को हां कह दी है. इसकी कहानी बहुत प्रेरणादायक है. जैकलीन इस फिल्म की तैयारी में जुट गई हैं और वह काफी ट्रेनिंग भी ले रही हैं. यह फिल्म अगले वर्ष आएगी.' जैकलिंग को लेकर बहुत उत्साहित हैं.

23 वर्षीय साइकलिस्ट डेबोराह का पालन-पोषण कार निकोबार में हुआ था जो निकोबार द्वीप समूह के उत्तरी क्षेत्र में स्थित है. डेबोराह यूनियन साइकलिस्ट इंटरनेशनल के 500 मीटर टाइम ट्रायल में रैंक प्राप्त करने वाली पहली भारतीय हैं. वर्तमान में वह चौथे स्थान पर हैं. फिलहाल वह 2020 की टोक्यो ओलम्पिक्स की तैयारी कर रही हैं.

कार निकोबार में पली-बढ़ी डेबोराह के पिता एयरफोर्स अफसर थे. जब 2004 में सुनामी आई थी तो डेबोराह पोर्ट ब्लेयर में थी और उसने लगभग 4 दिन एक वृक्ष पर बिताए थे. 2013 के बाद वह दिल्ली में रह रही हैं और इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के वेलोड्रोम में ट्रेनिंग दे रही हैं. 2014 में उसने 500 मीटर टाइम ट्रायल में ट्रैक एशिया कप में 2 गोल्ड मेडल जीते थे. उसके अगले ही वर्ष उसने ताइवान कप ट्रैक इंटरनेशनल क्लासिक में पांच मेडल जीते थे.

इस बायोपिक के साथ ही जैकलीन ने पाऊला हॉकिन्स के उपन्यास 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' पर आधारित रिभु दासगुप्ता द्वारा निर्देशित की जाने वाली फिल्म को भी हां कह दी है. जैकलीन के अनुसार, बड़े पर्दे के लिए यह बहुत पेंचीदा किताब है और मैं यह यकीनी बनाना चाहती हूं कि हम इस किताब के प्रति सच्चे रहें.

अनुष्का की पारखी नजर

अब सुनने को मिल रहा है कि वह नए संगीतकारों को भी अपने ही अनूठे ढंग से प्रोत्साहित कर रही है. एक सूत्र के अनुसार, "अनुष्का तथा उसके भाई कर्णेश ने युवा गायकों तथा संगीतकारों के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं. यदि उन दोनों की अब तक की बनाई फिल्मों पर गौर करें तो यह बात सफर नजर आती है कि उन्होंने नई प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने के लिए कितना अच्छा मंच दिया है. जिन्हें भी उन्होंने मौका दिया है उन्होंने भी अपनी प्रतिभा से सबको हैरान किया है. उन दोनों ने संगीतकारों के लिए एक दोस्ताना माहौल बना रखा है और कई संगीतकार उनके साथ काम करने की इच्छा लेकर सीधे उनसे मिलने लगे हैं."

चाहे फिल्म 'एम.एच.10' हो, 'फिलौरी' या 'परी' सभी से प्रतिभाशाली संगीतकार उभर कर सामने आए हैं जिनमें अनिरबान चक्रवर्ती, संगीव दर्शन, आयुष श्रेष्ठा, सवेरा मेहता तथा समीरा कोप्पीकर शामिल हैं.

'फिलौरी' में अनुष्का के बैनर ने शाश्वत सचदेव तथा जसलीन रॉयल को चमकने का मौका दिया. उन्होंने प्रतिभाशाली गायक रोमी को भी लांच किया. जिसने 'दम दम' और 'साहिबा' जैसे कमाल के गीत गाए हैं. फिल्म 'परी' के लिए उसने बंगाली संगीतकार अनुपम रॉय को मौका दिया. साफ है कि अनुष्का के पास प्रतिभाओं को पहचानने वाली पारखी नजर है.

जिंदगी आसान नहीं होती: कंगना

रानी लक्ष्मीबाई वाली फिल्म के अलावा वह फिल्म 'मेंटल है क्या' में भी नजर आने वाली हैं.

"अपने बेबाकी के लिए मशहूर कंगना राणावत का कहना है कि उसे अपनी जिंदगी में बिना लड़े कुछ हासिल नहीं हुआ है और वह नहीं चाहती कि जिस तरह उसने अपनी जिंदगी जी है. उस तरीके से उसके बच्चे भी जीएं.

अपनी शख्सियत और रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर कंगना ने कहा, "मुझे लगता है कि उनकी जिंदगी बेहद दुखदायक थी और उन्होंने अपनी जिंदगी में बहुत संघर्ष किया था. यह उस तरह की जिंदगी नहीं है, जिसे आप किसी के लिए मांगते हैं, विशेषकर उन्हें जिसे आप पसंद या फिर प्यार करते हों हर कोई आसान जिंदगी चाहता है, लेकिन जिंदगी आसान नहीं होती."